विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 6 से 12 अगस्त 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 09 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन पानी का बुलबुला है. कई बार यह कब खत्म हो जाता है, पता भी नहीं चलता है. इसलिए जितना संभव हो सके, परमार्थ और अच्छे कामों को करते हुए स्वआनंद प्राप्त कर लो. अपने तथा परिवार के लिए जीने वालों को दुनिया तेरहवीं के बाद भूल जाती है. लेकिन दूसरों के लिए जीने वालों को याद करने वाले सदा याद रखते हैं. जीवन को परमार्थ का माध्यम बना लो. पैसे के साथ ही किसी को खुशीं बांटना सीख लो.

संस्कारशाला में सहेज रही अश्विनी गौर संस्कृति

रूद्रप्रयाग-अश्विनी गौर ने गल्ली बोली लोक संस्कृति और साहित्य को बच्चों तक पहुंचाने का अनूठा प्रयास किया है। गांव को लाइब्रेरी और निशुल्क ऑऑनलाइन संस्कारशाला के जॉरए वे बच्चों को गढ़वाली कविता, भाषा, विज्ञान और संस्कारों की शिक्षा दे रहीं हैं। शिक्षक के साथ वे कवि और विज्ञान संचारक के रूप में भी पहचान बना चुकी हैं। रूद्रप्रयाग के डॉकोट गांव की अश्विनी को स्कूल के समय से ही लेखन में रूचि थी। उन्होंने गढ़वाली को अपनी रचनाओं का माध्यम बनाया। 2016 में शिक्षा विभाग से जुड़ने के बाद बच्चों को संस्कृति से जोड़ने के लिए उन्होंने लाइब्रेरी शुरू की। उनकी संस्कारशाला अब सोशल मीडिया यूट्यूब और फेसबुक के जरिए दूरदराज पहाड़ी इलाकों के बच्चों तक पहुंच रही है।

विकास के नाम पर अंबानगरी हो रही भकास

6 माह में 30 से अधिक हत्याएं, रास्ते के गड्ढे के साथ भूमिगल पुल बने खतरा

लोग परेशान, जनप्रतिनिधियों को लेकर जबरदस्त नाराजी विकास की बजाय केवल नौटंकी पर नेताओं का है ध्यान, प्रशासन मौन

विदर्भ स्वाभिमान, 5 अगस्त

अमरावती-अमरावती संभागीय मुख्यालय रहने के बावजूद अपनी बदकिस्मती पर पिछले कुछ वर्षों से रोने के लिए मजबूर हुआ है. बढ़ती हत्याएं, मामूली बात को लेकर जानलेवा हमला, बिना किसी पूर्व सूचना के कहीं भी रास्ता बंद करने वाली मनमानी स्थिति के साथ ही कई प्रभावों में रास्ते की बदहाली लोगों को मौत के लिए विवश कर रही है. नागपुर जहां चारों तरफ से नेताओं के कारण विकास के मार्ग पर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर विदर्भ का सबसे बड़ा महानगर अमरावती विकास को तरस रहा है. आधे अधूरे काम जहां मौत का आमंत्रण दे रहे हैं वहीं कई इलाकों में हजारों रूपए का टैक्स भरने के बाद भी लोगों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ रहा है. इस बारे में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा लोगों की प्रतिक्रिया लेने पर आक्रामक विचार सामने आए. नागरिकों ने यहां तक कहा कि पूरा अमरावती ही भगवान भरोसे है. पुलिस, मनपा प्रशासन, महावितरण के साथ विभिन्न सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली पर अगर नजर दौडाई जाए तो जिस तरह से 6 महीने के दौरान 30 से अधिक हत्याएं ही शहर में हुई, वह पुलिस तथा कानून का डर शहर में कितना है यह बताने के लिए काफी है. नाबालिकों की खतरनाक गैंग जिस तरह से गंभीर अपराध को अंजाम दे रही है, वह तो और भी चौंकाने वाला है. जनता को नेताओं पर दबाव बनाने के लिए आगे आना होगा, वरना अमरावती शहर विकास के लिए भले नहीं लेकिन अपराधी घटनाओं के लिए आने वाली पीढियों के लिए खतरनाक शहर बन जाएगा.अमरावती शहर की सड़कें, स्वच्छता, नाला सफाई, यातायात और अधूरे विकास कार्यों को लेकर हाल के महीनों में नागरिकों की नाराजगी सामने आती रही है.

बिगड़ी व्यवस्था ने किया सत्यानाश-अमरावती को बेहतर, सुंदर और सुविधासंपन्न शहर बनाने के दावे तो लगातार किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कई सवाल खड़े करती है. कहीं कचरे के ढेर, कहीं अधूरी सड़कें, कहीं नालियों की बदहाल स्थिति तो कहीं यातायात और पार्किंग की समस्या इन तमाम परेशानियों ने शहरवासियों का जीवन मुश्किल कर दिया है.अधूरे निर्माण कार्यों और डायवर्जन के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की शिकायतें सामने आई हैं. वहीं स्वच्छता व्यवस्था में आई बाधाओं से जगह-जगह कचरा जमा होने की स्थिति भी सामने आई.

सबसे गंभीर सवाल जवाबदेही और नियोजन का है. विकास के नाम पर योजनाएं बनना पर्याप्त नहीं, उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन भी जरूरी है. बारिश के मौसम में नालों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था की अनदेखी सीधे नागरिकों की परेशानी बढ़ाती है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

आदिवासियों की दुर्गति कब रूकेगी,यंत्रणा बेकार

सरकार द्वारा आदिवासियों के कल्याण के लिए तमाम योजनाएं चलायी जाती हैं. लेकिन दुर्भाग्य यंत्रणा में भ्रष्टाचार, संवेदनशीलता का अभाव उन्हें इससे वंचित करता है. कभी बीमारी, कभी भुखमरी, कभी प्रशासन की लापरवाही के कारण आदिवासियों म की मौत होती है. सरकार द्वारा आदिवासी बहुल मेलघाट के विकास तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी केवल संवेदनहीनता तथा काम में समर्पण के अभाव के कारण कई लोगों की जिंदगी अक्सर जाकर स्वास्थ्य विभाग निशाने पर होता है. जिंदगी और मौत डाक्टर के हाथ में भी नहीं रहती है, यह तय है लेकिन कई बार लापरवाही खलने लायक निश्चित होती है. सरकारी अस्पतालों में आमतौर पर मौत के बढ़ते आंकड़े और लापरवाही परिजनों को स्पष्ट दिखाई देने के बाद भी इसकी दखल नहीं लिया जाना निश्चित ही चिंता की बात है.स्वास्थ्य सेवा का मूल उद्देश्य जीवन बचाना है, लेकिन जब इसी व्यवस्था में लापरवाही के आरोप सामने आते हैं तो सवाल केवल एक घटना तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर उठते हैं. मेलघाट जैसे आदिवासी और दुर्गम क्षेत्र में स्वास्थ्य सविधाओं की कमी लंबे समय से चिंता का विषय रही है. ऐसे में यदि अस्पताल स्तर पर भी गंभीर लापरवाही के आरोप लगते हैं तो यह और भी चिंताजनक स्थिति है.धारणी उपजिला अस्पताल में चिचघाट निवासी चार वर्षीय आदिवासी बच्ची युवानी जावरकर की मौत ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग को कठघरे में खड़ा कर दिया है. परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे और फोन पर ही उपचार संबंधी निर्देश देते रहे. उनका कहना है कि यदि समय पर चिकित्सकीय सविधा मिलती तो बच्ची की जान बच सकती थी. हालांकि, पूरे मामले की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मेलघाट में कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु जैसे मुद्दों पर सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. करोड़ों रूपये खर्च कर स्वास्थ्य सविधाओं को मजबूत करने का दावा किया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर यदि मरीजों को समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं होते तो इन प्रयासों पर सवाल उठना स्वाभाविक है.दुर्गम क्षेत्रों के अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता और जवाबदेही सनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए. किसी भी मरीज के लिए हर मिनट महत्वपूर्ण होता है, विशेषकर तब जब वह गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचता है.इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं. अब आवश्यकता है कि जांच केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए, बल्कि तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय हो. यदि लापरवाही साबित होती है तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.मेलघाट के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सविधा मिलना उनका अधिकार है. स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास तभी कायम रहेगा, जब डॉक्टरों और प्रशासन की जवाबदेही स्पष्ट होगी. एक मासूम की मौत केवल एक परिवार का दर्द नहीं है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि लापरवाही की कोई जगह नहीं होनी चाहिए. मानवता का भाव ही इससे बचा सकता है.

घटती आत्मीयता बढ़ता स्वार्थ बना काल

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

हंसता परिवार ही खुशी का आधार होता है. लेकिन दुर्भाग्यवश आज के परिवार में घटती आत्मीयता के कारण परिवार में तनाव बढ़ रहा है. कमाने वाला एक और खाने वाले कई रहते हैं. ऐसे में जरूरतें ठीक हैं लेकिन कमाई का सही उपयोग करने की बजाय दिखावे के रूप में खर्च ज्यादा बढ़ने पर तनाव कर्ता को ही आता है. ऐसे में आज परिवार के बीच स्वार्थ तेजी से बढ़ रही है. दिखावे में खर्च बढ़ाने में कोई पीछे नहीं है लेकिन अभी तक परिवार को आगे बढ़ाने की बात कम होती है. पिता या पति घर का कर्ता होता है. कई घरों में महिलाएं कर्ता होती हैं. ऐसे में अगर करने वाले को सहयोग नहीं कर सकते हैं तो कम से कम अपने खर्चों को नियंत्रीत करते हुए इस बारे में सहयोग दे सकते हैं. पिता,पति अथवा मां पूरे परिवार के लिए करते हैं. उन्हें सदैव प्रसन्न रखने का प्रयास करें. जिस तरह बोगी नहीं चलती है, सदैव रेलवे इंजन चलता है. वह खराब होने के बाद सब कुछ खड़ा होता है. आमदनी अठन्नी,खर्चा रूपैया की समस्या से आज पूरा भारत परेशान है. कई बीमारियों का कारण आज परिवार बन रहा है. जबकि कुछ दशकों पहले तक परिवार का प्रेम ताकत देता था और लोग 100 साल से अधिक समय तक जिंदा रहते थे. लेकिन जब से हम दो हमारे दो की योजना पर काम शुरू हो गया और परिवार में बच्चे मोबाइल के सहारे हो गए, तब से संस्कारों का सत्यानाश हो गया. आज स्थिति यह है कि बाल अपराधियों की संख्या में जिस तरह से बढ़ोत्तरी हो रही है, वह चिंता की बात है. पुलिस पर हाथ झटकते हुए हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते हैं. बचपन जो दादा-दादी, काका-काकी और अन्य रिश्तों को सम्मान देना बचपन से ही सीखते थे आज बदलते दौर में कई रिश्ते ही इतिहास बनने की कगार पर पहुंच रहे हैं. इन रिश्तों के कारण लोगों को तनाव बढ़ रहा है, इससे लोगों के जीवन में बचपन से ही बीपी, शुगर, हाइपरटेंशन सहित कई बीमारियां बढ़ रही हैं. नैतिकता का सवाल पैदा ही नहीं हो रहा है. पहले घर से ही बच्चे नैतिकता सीखते थे, हमारे बचपन में हम हमारे बाबूजी से जितना नहीं डरते थे, उससे अधिक हमारे चाचा स्वर्गीय पंडित गयाप्रसाद, शिवप्रसाद तथा राधेश्याम दुबे से डरते थे. आज बचपन नशे की गर्त में जा रहा है. आज युवाओं में जिस तेजी से व्यसन की लत बढ़रही है, वह आगामी भविष्य के लिए उनके,परिवार के साथ ही देश के लिए भी खतरा है. ऐसे में जरूरी है कि हम अभी से नैतिकता, आदर्श संस्कारों के साथ ही संयुक्तपरिवार के रिश्तों को मजबूत करें. आज अगर गांवों को आर्थिक रूप से मजबूत किया गया होता तो शहर में लोगों का पलायन नहीं होता है. पहले त्यौहार हमारी आर्थिक ताकत बनते थे, जब व्यक्ति को गांव में ही रोजगार मिल जाए तो वह अपने घर-द्वार छोड़कर बाहर क्यों जाएगा. लेकिन आज रिश्तों में बढ़ती खटास, बिना लिबास के आने और कफन के लिए लोग किस तरह एक-दूसरे के गले काटने का मौका मिले तो वह भी नहीं छोड़ने वाली मानसिकता और इससे होने वाली परेशानी, दिन भर काम और रात में सुकून की नींद से भी मोहताज होकर अपने शरीर को बीमारियों का घर बना रहे हैं, यह अलग से किसी को बताने की जरूरत नहीं है. ऐसे में समाज में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जो इस स्थिति को बदलने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं.मां पर बच्चों पर संस्कार डालने की जिम्मेदारी होती है लेकिन वह जब परिवार को तोड़ने वाली धारावाहिक और मोबाइल पर संदेश पढ़ने और बाप परिवार चलाने के लिए दिन-रात मेहनत करने में लगा है तो बचपन में संस्कार कहां से मिलेगा. मां पर बच्चे के संस्कार और पिता पर उसका भविष्य संवारने की जिम्मेदारी पहले रहती थी.वही औलाद आदर्श कहलाती ह जो माता-पिता की भावना बिना बोले ही समझ जाती है. इसका सदैव ध्यान रखें.

आदर्श शिक्षक रहा है मेरा मित्र मनोहर डोंगरे

जन्मदिन 12 अगस्त पर विशेष, आदर्श संस्कार और विचारों को मानता है ताकत

कुछ लोग जीवन में आने के बाद उनके स्वभाव, उनके अपनेपन तथा समझदारी के कारण कभी भुलाए नहीं भूलते हैं. इसी तरह क़ा व्यक्ति है समर्थ हाईस्कूल से सेवानिवृत्त मित्र मनोहर डोंगरे. बचपन में संघर्ष से जूझकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद शिक्षक की नौकरी लगने के बाद गरीब बच्चों को सदैव समुचित मार्गदर्शन और सहयोग करता है. यही कारण है कि उसने हजारों मित्र बनाएं हैं. उसके जन्मदिन 12 अगस्त पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

मनोहर बचपन से ही बेबाक और स्पष्ट विचारों वाला व्यक्ति था. बचपन में मेधावी छात्र के साथ ही परेशानी को कभी जीवन में बाधा नहीं बनने देता था. सामाजिक दायित्व की भावना से जहां ओतप्रोत रहता है, वहीं गरीब, दीन-दलित और झोपड़पट्टी निवासी गरीब छात्र-छात्राओं के लिए भी सदैव प्रयासरत रहता है. उन्हें मार्गदर्शन देने के साथ सहयोग करने का काम करता है. वरिष्ठों के मार्गदर्शन में सदैव अच्छा करने का प्रयास करता है. सफलता केवल नियमों के पालन से नही, बल्कि जनभावनाओं को समझने और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने से भी प्राप्त होती है.मनोहर डोंगरे केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक रहा है. एक आदर्श शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और व्यवहार से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण करने का काम सदैव किया है.आदर्श शिक्षक के रूप में प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता और रूचि को समझता है. वह कमजोर विद्यार्थी को भी आगे बढ़ने का अवसर देता है और प्रतिभावान विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया.उसके लिए शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, संवेदनशील और संस्कारी नागरिक बनाने का साधन होती है.बच्चों को सर्वांगीण विकास को उद्देश्य बनाया और सेवाकाल तक इस पर चलता रहा.विद्यार्थियों में सत्य, ईमानदारी, मेहनत, अनुशासन, समय का महत्व और दूसरों के प्रति सम्मान जैसी जीवन-मूल्यों की भावना विकसित किया.वह स्वयं भी अपने आचरण से इन मूल्यों का उदाहरण प्रस्तुत किया.उसकी सरलता, धैर्य और सकारात्मक सोच विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

भारत की सबसे बड़ी ताकत है युवा शक्ति-चंद्रकुमार जाजोदिया

विदर्भ स्वाभिमान, 5 अगस्त

अमरावती- आजादी क़े लिए लाखों लोगों ने कुर्बानियां दी है. भारत की सबसे बड़ी ताकत युवा शक्ति है. यह यदि अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करे तो भारत विश्व का महानतम राष्ट्र हो सकता है. इसी दिशा में आरएसएस के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह भी प्रयासरत हैं. इस आशय का मत समाजसेवी तथा दानदाता चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने व्यक्त किया. आजादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में उनका साक्षात्कार लिया गया. इसमें उन्हों ने देशवासियों से आजादी की सालगिरह धूमधाम से मनाने और युवाओं को अपनी उर्जा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आग्रह कर सभी को शुभकामनाएं दी. उनसे हुई बातचीत प्रस्तुत कर रहे हैं.

सवाल: आजादी का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

जवाब- देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए लाखों युवाओं ने कुर्बानी दी है. आजादी केवल विदेशी शासन से मुक्ति का नाम नहीं है, बल्कि अपने विचार व्यक्त करने, शिक्षा प्राप्त करने, अपने सपनों को साकार करने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार भी है. हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने इसके लिए अपना जीवन तक समर्पित किया. हर देशवासी को देश को प्रथम स्थान पर रखते हुए विकास में योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

प्रश्न: क्या आज की युवा पीढ़ी आजादी के संघर्ष को समझती है?

उत्तर: युवाओं में देशभक्ति की भावना निश्चित रूप से है, लेकिन स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और उसके पीछे किए गए त्याग को गहराई से समझना जरूरी है. आजादी हमें आसानी से नहीं मिली; इसके पीछे असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों का बलिदान है.व्यसन मुक्त युवक ही देश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं. संस्कारों के साथ बचपन से ही राष्ट्रीयता की भावना बच्चों में भरी जानी चाहिए.

सवाल: युवाओं को स्वतंत्रता सेनानियों से क्या सीखना चाहिए?

जवाब: उन्हें त्याग, अनुशासन, साहस, एकता और राष्ट्रसेवा की भावना सीखनी चाहिए. देश के प्रति जिम्मेदारी निभाना ही स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि है. साथ ही देश के विकास में हम क्या योगदान दे सकते हैं, इसके बारे में भी युवाओं को सदैव प्रयास करना चाहिए.

सवाल: आजादी को मजबूत बनाए रखने में युवाओं की क्या भूमिका है?

जवाब: युवा देश का भविष्य हैं. उन्हें शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए देश के विकास में योगदान देना चाहिए. साथ ही संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव का सम्मान करना चाहिए.एकता के महत्व को समझते हुए सदैव आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए.

प्रश्न: स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं के लिए आपका संदेश क्या है?

जवाब: युवा केवल 15 अगस्त को देशभक्ति का उत्सव न मनाएं, बल्कि वर्षभर राष्ट्रहित में सकारात्मक कार्य करें.अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझें और ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें. आजादी की असली कीमत तभी समझी जाएगी, जब हम उसकी रक्षा और देश की प्रगति में योगदान देंगे.

पौधारोपण की गंभीरता को समझें:सचिन भेंडे

अमरावती. सत्यशोधक भवन परिसर के बगीचे में रविवार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संवर्धन की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया.पौधारोपण किस तरह से समय की जरूरत है, इस पर उपमहापौर सचिन भेंडे तथा अध्यक्षता कर रहे डॉ. अशोकराव उमप ने मार्गदर्शन किया.

इस अवसर पर भास्करराव उपासे, प्रकाश कुरलकर, जनार्दनराव बोले, शरद वरहेकर, सुरेश अडगोकर, हरीश चरपे, विनोद कुरहेकर, संतोष कुरहेकर, मनोज पवार, सुनील वानखेडे, संतोष वाके सहित अन्य उपस्थित थे. आयोजकों ने सभी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए आभार व्यक्त किया.

रविवार को कामिका एकादशी, 11 को शिव चतुर्दशी व्रत

विदर्भ स्वाभिमान, 5 अगस्त

अमरावती-सावन के पावन महीने में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के कारण सर्वत्र उल्लास का माहौल है. रविवार 9 अगस्त को कामिका एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिरों में जहां भीड़ उमड़ेगी, वहीं दूसरी ओर इस महीने का दूसरा सावन सोमवार रहने से 10 अगस्त तथा 11 को शिव चतुर्दशी रहने से शिव मंदिरों में भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचने वाले हैं. कंवर नगर स्थित शिव मंदिर में सोमवार 10 अगस्त को सुबह तड़के 5 बजे भस्म आरती का आयोजन किया गया है. अधिकाधिक संख्या में भक्तों से शामिल होने तथा पुण्यलाभ प्राप्त करने का आग्रह मंदिर संस्थान द्वारा किया गया है. सावन के पावन महीने में सर्वत्र भक्तिभाव की गंगा बह रही है. कहते हैं कि इस महीने किया गया दानपुण्य भी अत्याधिक फलदायी होता है. हजारों की संख्या में भक्त रोज मंदिरों में पहुंचकर दर्शन का लाभ ले रहे हैं.

आराधना का विशेष महत्व

सावन मास में धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कामिका एकादशी का व्रत रविवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ रखा जाएगा. वहीं, 11 अगस्त को शिव चतुर्दशी व्रत मनाया जाएगा. दोनों व्रत भगवान विष्णु और भगवान शिव की उपासना के लिए विशेष माने जाते हैं. ऐसे में भक्तों में अपार उत्साह दिखाई दे रहा है. कामिका एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और नाम-स्मरण करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की आराधना करने से पापों का

क्षय तथा पुण्य की प्राप्ति होती है.मंगलवार 11 अगस्त को शिव चतुर्दशी भगवान शिव को समर्पित दिन है. इस अवसर पर शिवलिंग का जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक तथा बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित कर भगवान भोलेनाथ की पूजा की जाती है. शिव मंदिरों के साथ ही शहर के श्रीराम दरबार मंदिर में भी दर्शनार्थ भक्तों के उमड़ने की संभावना है.

कंवरनगर मंदिर में भव्य भस्म आरती-सावन के पावन महीने का दूसरा सोमवार 10 अगस्त को रहने पर कंवर नगर के शिव मंदिर में सुबह तड़के 5 बजे भस्म आरती होगी. इससे पूर्व 3 अगस्त को भी यहां भस्म आरती हुई थी. प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया है. यहां पर शिव महापुराण कथा का भी आयोजन किया जाने वाला है, उसकी तैयारी शुरू हो गई है. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह मनीष झांबानी तथा सहयोगियों ने किया है.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

सभी देवता अपने-अपने धाम निकले

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- भोजनोपरांत उन्हें चंदन, पुष्प, फल, तांबूलादि दिलाकर सत्कार किया. तब सभी संतुष्ट होकर विनय के साथ नमस्कार करके लक्ष्मी और नारायण की आज्ञा से अपने-अपने निजी वासों पर लौट गए. तब श्री वेंकटेश्वर ने लक्ष्मी और पद्मावती के साथ रहते सुख-स्थिति को प्राप्त किया. तदुपरांत एक दिन विनोद में सिरि को देखकर श्रीनिवास ने इस रूप में कहा.

आनंद निलय में लक्ष्मी वेंकटेश्वर के विनोदमय संभाषण-'हे श्री रमादेवी! तुम्हारे लौट आने से मुझे बहुत संतोष हुआ है. उस समय कुबेर के द्वारा लिए गये उधार को कैसे चुकाना है. हे इंदवदन ! कोई उपाय बताओ.' ऐसा विनोद से हरि के पूछने पर तब लक्ष्मी ने कहा. 'उधार लेते समय मुझसे पूछा है क्या?' हँसते हुए फिर से कहा. 'हे महान! विवाह के लिए मेरे आने पर धन मुझसे माँगने में क्या गलत था? तब मांगे होते तो मैं प्रेम से क्या नहीं देती? तब आपने मुझे हल्का लेकर कुबेर से 'अपने विवाह के लिए धन की मांग' करके हे जगन्नायक! उधार लेने की क्या जरूरत थी? इस काम के लिए मैं क्या कहूँ? तब ऐसा व्यवहार करने के कारण ही आपको कपटात्मा समझ कर करवीरपुर मैं चली गयी. हे महात्मा! फिर वहाँ से नहीं रह पाने की स्थिति में पाताल चली गयी थी.' यह सुनकर विष्णु ने ऐसा कहा. 'मुझसे अलग होने की चिंता में तुम थीं. इसलिए विवाह के लिए आवश्यक धन की मांग मैं कैसे कर सकता था? इसलिए हे रमा ! उसे गलत समझकर मुझे हलका मत समझो.' हरि के इस रूप में कहने पर सुन कर लक्ष्मी ने कहा.उस समय उस रीति में हुआ है न? तब से ब्याज बढ़ता रहा है न? अपनी मर्यादा को बचाने के लिए जितना धन आप चाहते हैं हे स्वामी! उतना धन मैं आज आपको दूँगी. तब उसका उधार चुकाइए स्वामी !इन बातों को सुनकर हरि को संतोष हुआ. फिर इस रूप में कहा. 'तुम्हारी महिमा को क्या मैं जानता हूँ? अब नया क्या है? अब कुबेर को धन क्यों देना है? उस दिन की सम्मति के अनुसार ब्याज क्रम से देते हुए कलियुग के

अंत तक पूरा चुकाकर आराम के साथ बैकुंठ लौट सकते हैं. तब तक इसी शेषाचल पर ही रहते हुए धरती के जनों का उद्धार करते हुए उनके पापों को दूर करते रहेंगे. ऐसे काम और भी कई हैं. इसलिए शीघ्र उधार चुकाने की जरूरत नहीं है. वह इसलिए है कि सुनो. कलियुग में पाप कर्म करनेवालों को रोगादि आंदोलन अनेक होंगे. तब वे डरकर मेरी शरण में आयेंगे. वे मुझसे मनौतियाँ मांगेंगे. तब उनकी आपदाओं को दूर किए बिना चुप रहना ठीक नहीं होगा. इसलिए ऐसे दुष्कर्म करनेवाले लोगों को धन की ओर आकर्षित करके उनकी आपदाओं को दूर करके उनके धन को मैं पहाड़ पर पहुँचाने के लिए विवश करूँगा. फिर उनके पापात्मक धन को उन्हीं को दिलाता रहूँगा. धरती के पुण्यात्माओं के द्वारा दिए गए धन को थोडा में ग्रहण करके कचेर को थोडा ब्याज के रूप में चुकाते ऐसी विचित्र लीला करता रहूँगा.' हरि ने स्नेह से कहा.

फिर इस रूप में कहा. 'हे रमादेवी! सभी को तुम धन देते रहो. उस धन को मैं यहाँ आकर्षित करता रहूँगा. फिर सृजन और दुर्जनों को देने के क्रम में मेरा शासन यहाँ पर चलाता रहूँगा. इसी रीति में हमें कलियुग को काटना होगा. इसलिए कुबेर का उधार अभी चुकाने की जरूरत नहीं है. कलियुग के अंत तक समय है. ऐसा ही उधार पत्र कुबेर को लिख कर दिया है. उसे अभी क्यों बदलना है? उसे अभी मूल को क्य लौटाना है? ऐसा सोच रहा हूँ.' कहने पर लक्ष्मी ने कहा. 'हे देव अपने मन में ऐसा विचार रख कर 'इस उधार को मैं कैसे चुकाऊँगा? इस रूप में आज पूछने की यह विनोद लीला क्यों कर रहे हैं.' कहत लक्ष्मी के पूछने पर सुनकर हरि ने कहा. 'तम जनों को अधिक धन दोगी तो उसे मैं ले लूँगा, हे लक्ष्मी ! ऐसी प्रार्थना तुमसे की है.' कह पर लक्ष्मी ने कहा. 'हे महान! संतोष के साथ आपको धन देकर उधारचुकाने के लिए मैं कहती हैं. तो आप अनसुना करके इस रूप में जनों को धन देने की बात कह रहे हैं? यह कौन-सी रीति है?' ऐसा सुनाकर लक्ष्मी ने फिर से कहा. 'हे प्राणेश! कलियुग में जन अति कठिन होते हैं. इसलिए दान देने के लिए नहीं सोचेंगे. इसलिए जन्म जन्मांतर से दारिद्र्य प्राप्त करके मर जाते हैं. ऐसे जनों को धन देने के लिए कहने पर मैं धन नहीं दे सकती.

पौराणिक विघ्नेश्वर धाम में दिख रहा आस्था का नजारा

विदर्भ स्वाभिमान, 5 अगस्त

अयोध्या- सावन माह में अयोध्या से करीब 30 किलोमीटर दूर शाहगंज बाजार के समीप रमपुरवा स्थित पांच सौ वर्ष पुराने विघ्नेश्वर धाम शिवाला मंदिर में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला. यहां 60 फीट ऊंचे और 11 फीट चौड़े विशाल महा त्रिशूल की स्थापना की गई.दावा किया जा रहा है कि यह देश का सबसे बड़ा महा त्रिशूल है. स्थापना के दौरान मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे. पूरा मंदिर परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा.

यह धार्मिक आयोजन दो दिन तक चला. रविवार सुबह से ही 24 घंटे का अखंड ओम नमः शिवाय जप शुरू हुआ. सोमवार को सुबह जप पूर्ण होने के बाद प्रातः आठ से 10 बजे तक 365 पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन, पूजन और पुष्प अक्षत अर्पित किये.इसके बाद प्रातः 10 से 12 बजे

के बीच वैदिक परंपरा के साथ क्रेन की मदद से महा त्रिशूल की स्थापना की गई. स्थापना के बाद संतों ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन दिया.

दोपहर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. सुबह से ही भक्त शिवलिंग का जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर पहुंचते रहे.आयोजन में मुख्य रूप से गोसाईंगंज से विधायक रहे इंद्रप्रताप तिवारी खब्बू, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, अमित योगी, अनिल उपाध्याय, मेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष डा. विनोद आर्य, शरद तिवारी, दिग्विजय सिंह, डा. राकेश गुप्त, धर्मेंद्र सिंह के साथ शिव भक्त उपस्थित रहे.

सनातन संस्कृति का प्रतीक बनेगा महा त्रिशूल

मंदिर के पुजारी अमित योगी ने बताया कि विघ्नेश्वर धाम अपनी प्राचीन परंपरा और 365 पुजारियों की सेवा व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध है. उन्होंने कहा कि महा त्रिशूल की स्थापना सनातन संस्कृति, शिवभक्ति और जनआस्था का प्रतीक है. इससे यह धाम शिवभक्तों के लिए एक प्रमुख धार्मिक केंद्र के रूप में नई पहचान बनाएगा. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गये थे. यहां दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त

श्रृंगी ऋषि के सानिध्य से पावन तपोवनेश्वर शिव मंदिर

भक्त दर्शन कर होते हैं भावविभोर, अध्यक्ष अनिल साहू तथा ट्रस्टी भोलेभक्तों की सेवा में हैं तत्पर

शहर ही नहीं तो जिले में भगवान भोलेनाथ की आराधना भक्तों द्वारा की जा रही है. इसमें हर शिवालय में विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं. गड़गड़ेश्वर, कंवरनगर के श्री शिव मंदिर में हर सोमवार को भस्म आरती के साथ ही तपोभूमि तपोनेश्वर में महादेव की पूजा-अर्चना की जा रही है. अध्यक्ष अनिल साहू तथा सभी ट्रस्टी भोलेनाथ भक्तों की सुविधा के लिए तत्पर हैं. बम बम भोले तथा ओम नमः शिवाय की गूंज सर्वत्र सुनाई पड़ रही है.

अमरावती के गड़गड़ेश्वर महादेव, कोंडेश्वर महादेव के साथ ही प्राचीन तथा तपोभूमि तपोवनेश्वर महादेव का दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी है. संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू स्वयं भोलेनाथ के भक्त हैं. इस मंदिर का प्राचीन इतिहास है. भोलेनाथ की सजावट यहां मन प्रसन्न कर देती है. यहां का प्राकृतिक वातावरण भक्त को अपार सुकून देता है. श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण ने 6 वे अध्याय में तप साधना स्थान कैसा हो, इसका वर्णन किया है उन्होंने कहा कि, ऐसा स्थान जहाँ एक बार बैठ गए तो उठने का मन न करे ऐसा स्थान जहाँ संत महात्माओंका वास हो, जहाँ के वायु मंडल में उसकी अनभूति हो, साधक वहाँ निवास करे, जडों से टहनियों तक सभी घने वृक्ष मिठास लाए, जहाँ स्वच्छ, शुद्ध, निर्मल पानी बहता हो, पानी में डुबकी लगाते हँस और चहचहाती कोयलें और मस्ती में चूर मोर अपने पंख पसारे नाच रहे हो. जहाँ दर कही मंदीर या मठ हो. जहाँ दिनभर घाँटयाँ बजती हो. ऐसी जगह में तप-साधना करने में मनष्य का मन रमता है. इसी तरह की अनभूति अमरावती शहर में स्थित एक स्थान पर होती है. जिसे तपोवनेश्वर नामसे जाना जाता है तपोवनेश्वर शहरसे 15 कि.मि. दरी पर स्थित है. अमरावती-चांदर रेल्वे मार्गपर स्थित इस स्थल को तपोभमी भी कहा जाता है. शिव परिवार की महीमा दर्शानेवाले इस तपोवनेश्वर की भी अपनी एक पौराणिक कहानी है.

तपोवनेश्वर का जन्म त्रेतायग में हआ. उस समय गफा में जागृत शिव मंदिर हआ करता था. इस शिव मंदिर में श्रृंगीऋषी प्रतिदिन पूजा अर्चना करते थे. इस काल में श्रृंगी ऋषी पत्रकामेष्ठी यज्ञ के पौरोहित्य के रूप में प्रचलित थे. राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी. जिन्हे

सावन का पावन माह

सावन का पावन महीना जिले में उत्साह से मनाया जा रहा है. यहां से त्यौहारों का मौसम ही शुरू होता है. हर भोले मंदिर में भक्तों की भीडड़ उमड़ रही है.

पुत्र प्राप्ती की लालसा थी. लेकिन उन्हे पूत्र प्राप्ती का योग नही मिल रहा था. इसलिये राजा दशरथ ने अपने राजगरू श्री वशिष्ठ ऋषी से इस संदर्भ में अपनी चिंता जताई, तो उन्होंने पुत्र कामेष्ठी यज्ञ करवाने की सलाह दी. जिसमें तपोवनेश्वर क्षेत्र के पराहित श्री. श्रृंगी ऋषी को आमंत्रित किया. राजा दशरथ की माता महारानी इंदुमती मूलतः विदर्भ के कौंडण्यपर के राजा की पुत्री थी और श्री श्रृंगी ऋषी उनके राजगरू थे. जिसके कारण राजा दशरथ के बुलावे पर वे अयोध्या गये और पत्र कामेष्ठी यज्ञ किया. तब से इसे श्री श्रृंगी ऋषी के नाम से भी जाना जाता है.

पोहरा बंदी के तीन पहाड़ों में बसे जागृत शिव मंदिर के पास गफा है जहाँ जलकुंभ भी है. इसी गफा में श्री श्रृंगी ऋषी का आश्रम था ऐसा कहा जाता है. इस स्थान का संबंध द्वापर युग से भी है. रूक्मिणीजी की, माता अंबादेवी व एकवीरा देवी कुलस्वामीनी थी. लेकिन वह शिव की परम भक्त थी. जिसके कारण वे जब भी अंबादेवी मंदिर आती तो वह तपोवनेश्वर आने से भी नही चुकती थी. गफा मार्ग से वह तपोवनेश्वर व कौंडण्यपर में दर्शन करने आती थी इसी कारण द्वापर युग में भी रूक्मिणी हरण के समय श्री श्रृंगी ऋषी के आश्रम में उन्होंने माथा टेका था ऐसा कहा जाता है, ऐसे पौराणिक कथाओंसे जूडे तपोवनेश्वर के इतिहास के पन्नों को आगे पढे तो पता चलता है कि, योगीराज सद्गुरु सीताराम गिरी महाराज ने भी भगवान दर्शनों के लिये काशी से विदर्भ की ओर रूझान किया था. काशी के योगीराज सीताराम गिरी महाराज 1870-80 मे विदर्भ के तपोवनेश्वर में आए. जागृत शिवलिंग की लीलाओं को देखकर मंत्रमुग्ध हुए. योगिराज यहाँ के निसर्गमय वातावरण में रम गए. घने जंगल व घास की झोपड़ी में रहकर अखंड धनी और जंगली श्वापदों के साथ उन्होंने कठोर तपस्या की. जंगल से कंद मूल लाकर उसीपर आनी जीविका चलाना और भगवान शिव की आराधना करना यही उनके जीवन का चक्र था. उस समय भारत में स्वतंत्रता के लिये युद्ध हो रहा था और तपोवनेश्वर में शिव महिमा का बखान हो रहा था. लेकिन गफा के अंदर यानी श्री श्रृंगी ऋषी के आश्रम में बने शिवलिंग का दर्शन केवल योगीराज ही ले पाते थे. आम आदमी उस गफा में प्रवेश नही कर पाता था. जिसके कारण योगीराज ने उस शिवलिंग को गफा के बाहर स्थापित किया. शिवलिंग का आकार अन्य शिवलिंग के मकाबले अलग है. शिवलिंग की आकृती अधूरी है. वही पिंड त्रिकोणाकृती आकार का है. इस मंदिर में शिवलिंग के साथ उनका परिवार भी स्थित है. मंदिर में दक्षिण पद्धती से बनाई गई भगवान शिव-पार्वती की मूर्ति है. इसके अलावा दाहिने हाथपर गणेश व दाए हाथ पर भगवान कार्तिकेय की मर्ति भी स्थापित है. मंदिर से बाहर आते ही वही पर गफा दिखाई देती है. गफा के बाजू मे शिव-पार्वती की काले पत्थरोंकी मूर्तिया है, जिसके दोनों ओर नंदी विराजामन है. गफा से थोडी ही दूर जाये तो पुरानी शिलाओंसे बना हनमान मंदिर है. कहा जाता है कि, योगीराज सीतारामदास मूलतः मधोलकर पेठ के निवासी थे. उनके गरू श्री. बजरंगदास महाराज तपस्या करने तपोवनेश्वर आते थे. जहाँ उनकी मुलाकात सीताराम गिरी महाराज से हई, दोनोंने मिलकर हनमान मंदिर स्थापित किया. हनुमान मंदिर से लगकर भगवान विष्णू व महालक्ष्मी का मंदिर है. इस मंदिर की मूर्तिया विठ्ठल-रूक्मिणी की तरह नजर आती है तथा उनकी रचना व रंग उन्ही की तरह है.थोडा आगे जाकर भगवान भैरवनाथ का मंदिर दिखाई देता है. भगवान भैरवनाथ का शिला मुख अंकित है. बाबा भैरवनाथ मंदिर को उनका ही नाम क्यो दिया गया? इसका कोई इतिहास नही है. लेकिन योगीराज ने नाम दिया, इसलिये परिसर के लोग उसे भैरव बाबा का मंदिर कहते है. परिसर में अखंड बेल का वृक्ष भी है जिसका ग्रंथो मे भी उल्लेख है. काशिखंड में इसका महात्म्य पढने को मिलता है. शिवालय के चारो ओर बेल के वृक्ष पाए जाते है लेकिन दुर्लभ प्रजाति वाला अखंड बेल का यह वृक्ष नष्ट हो चुका है. फिलहाल परिस में का पेड मात्र बचा है, जिसकी महाशिवरात्री व श्रावण माह में उत्साह के साथ पजा की जाती है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक योगीराज स्वयं ही महाशिवरात्री के पर्व पर विभूतियों के दर्शन के लिये गफा में जाते थे. उस समय उनके साथ हिंगणघाट की उनकी मानसकन्या बालयोगी संत लक्ष्मीमाता भी रहती थी, इसी कारण उनका नाम गफावाले बाबा भी पड़ा.योगीराज बाबा 15 साल की उम्र में तपावेनेश्वर आये. उन्होंने 100 साल से भी अधिक तपस्वी जीवन यहाँ बिताया. उनकी पादका को लेकर उनकी मानसकन्या हिंगणघाट लौट चूकी थी. वहाँ साई प्रतिष्ठान में आज भी वह पादका स्थित है. योगीराजजी ने अपने जीवनकाल में नेपाल नरेश के गरू स्वामी श्री. नरहरीनाथ के साथ सत्संग किया. उन्होंने भक्तोंको ईश्वर भक्ती का मार्ग दिखाया. इस स्थल को साधना का गुप्ता स्थान कहा जाता है.

योगीराजजी की मृत्यु के बाद गंफा का द्वार बंद कर दिया गया. मृत्यु से पूर्व उन्होंने गंफा में मंदिर होने की बात कही थी. लेकिन गंफा में कभी किसी ने जाने का प्रयास नही किया. बाबा के लीये भक्तोंने 3 जून 1978 में योगाश्रम बनाया था जो आज भी मौजूद है और यहाँ बाबा समाधी लगाते थे तथा विश्राम करते थे. योगीराजजी की मृत्यु के पश्चात उनकी समाधी वही मन्दीर के पास बनायी गयी. उसके पासही बाबा की अखण्ड धनी के पास योगीराज सद्गुरू श्री सितारामगिरी बाबा ध्यान मुद्रा में बैठे से लगते है.

गंफा में स्थित जलकंड का पानी कहाँसे आता है वह किसी को नही मालूम, लेकिन उससे तपावेनेश्वर के आस-पास स्थित अपने आप जल का स्तर बढता है, इसके अलावा विष्णू, महालक्ष्मी मंदिर के पास एक शिलालेख जिस पर गणेश की प्रतिमा की आकृती है, वह मंदिर का प्रवेशद्वार था ऐसा कहा जाता है. परिसर में आज भी द्वापर व त्रेतायग के शिलालेख पाये जा सकते है.महाशिवरात्री सप्ताह और श्रावण माह में विविध कार्यक्रम चलाये जाते है. पिछले 30 वर्षोंसे मन्दीर में भक्तों की सविधा के लीये बांधकाम किया जा रहा है. खूदाई में मिले प्राचीन शिलालेख पर बने सभी मंदिरों को छोटे-छोटे मंदिरों में परिवर्तीत किया गया है. मंदिर में धर्मशाला, भोजनकक्ष बनाया गया है. इसके अलावा ध्यान सभागृह, निवासस्थान भी बनाया जा रहा है . मंदिर के ट्रस्टी मिलकर इस जागृत देवस्थान की विकासात्मक रचना कर रहे है. जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल साहू, उपाध्यक्ष लच्छूमजी पवार, सचिव प्रविण सावळे, विश्वस्त देवराव भोरे, हरिभाऊ बाहेकर, वासुदेवराव भुजाडे, रूपचन्द्र खंडेलवाल, रामचंद्र गुप्ता, साहेबराव ठाकरे, दिलीप ठाकरे, राजेश आंचलीया आदी सहयोग दे रहे है. सभी के सहयोग से बननेवाले इस धार्मिक स्थलपर स्कूली छात्र, नागरिक भेट देने आते है तथा सामाजिक संस्था निवासी शिबीर होते रहते है.ऐसे अति प्राचीन शिव मंदीर में महाशिवरात्री सप्ताह मनाया जा रहा है. जिसमें सुबह 6.00 बजे से रात 12.00 बजे तक भजन संध्या, होम हवन, गरूपाठ, दग्धाभिषेक, रूद्राभिषेक जैसे विविध कार्यक्रम सदैव चलते रहते हैं. इस साल भी भोलेनाथ के दर्शन कर पुण्यलाभ कमाने का आग्रह संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू तथा अन्यों द्वारा किया गया है. कुल मिलाकर तपोवनेश्वर क्षेत्र भक्तिभाव में कैलाशमय हो गया है. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. पहले सावन सोमवार 3 अगस्त को हजारों भक्तों ने दर्शन कर पुण्यलाभ प्राप्त किया.

अनिल साहू, अध्यक्ष, श्री तपोवनेश्वर संस्थान,दर्जनों संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी.

आराधना फ़ैशन पहचानता है ग्राहकों की सदैव चाहत

अमरावती-वस्त्रों के महाखजाना आराधना के सेल में अपार भीड़ उमड़ पड़ी है. कंपनी के रेट में साड़ियां तथा अन्य मटेरियल यहां मिलने और भारी छूट रहने के कारण ग्राहकों की भारी भीड़ खरीदी के लिए उमड़ पड़ी है. विदर्भ में सेल की शुरूवात करने वाले आराधना फैशन्स ने जहां अपना अलग स्थान समूचे विदर्भ में बनाया है. वहीं दूसरी ओर आराधना के फ्रेश स्टॉक सेल को सभी का अपार प्रतिसाद मिला है.फैशन सहित गुणवत्ता के साथ रियायती कीमत देने में विश्वास रखते हैं. वर्षो का ग्राहकों का यही भरोसा आराधना शोरूम को समूचे विदर्भ में अपार लोकप्रियता दिला रहा है. ग्राहकों के ऋणानुबंध को समझते हुए आराधना फ्रेश स्टॉक में कंपनी की कीमतों में वस्त्रों को उपलब्ध कराया गया है. बच्चों से लेकर युवाओं,युवतियों, महिलाओं सभी को उनके बजट में बेहतरीन गुणवत्ता के कपड़े उपलब्ध कराने में इसका कोई जवाब नहीं है.

आराधना में आराधना डिजायनर साड़ियां, सिल्क साड़ियां, घाघरा ओढ़नी, रेडी टू वियर साड़ीज, सलवार शूट, लाछा सूट, वनपीस, कुर्ती ज, टॉप व लेडीज जिन्स के साथ ही मेन्स वेयर, ट्राऊजर्स, शर्ट, टी शर्ट पर भी फ्रेश स्टॉक सेल उपलब्ध है.एक बार भेंट देकर स्वयं अनुभव करने का आग्रह किया है. ग्राहकों को मिलों से बुलाया गया माल भारी रियायत के साथ देने का जहां प्रयास किया जा रहा है, वहीं ग्राहकों के साथ आराधना के ऋणानुबंध को और अधिक मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है. अमरावती ही नहीं तो आराधना में सालभर ग्राहकों के लिए कोई न कोई स्कीम शुरू रहती है.पुरूषोत्तम मास के साथ पवित्र श्रावण महीने और भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के महापर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में यह सेल लगाने की जानकारी दी गई है. प्रतिष्ठान के संचालकों के मुताबिक सालभर ग्राहकों के अपार प्यार के कारण ही आराधना की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है.संचालक पूरणसेठ हबलानी के मुताबिक ग्राहकों के प्रेम को ध्यान में रखते हुए मिलों से सीधा माल ग्राहकों तक पहुंचने के कारण ग्राहकों को भारी लाभ मिलता है.सेल में पूरी तरह से नया और फ्रेश स्टॉक रहता है. इसमें किसी तरह का डिफेक्ट और डैमेज नहीं रहता है. उल्लेखनीय है कि आराधना द्वारा अपने ग्राहकों को अधिकाधिक लाभ देने के इरादे से यह विशेष सेल का आयोजन किया गया है. ग्राहकों को न केवल रिजनेबल बल्कि अधिकाधिक रियायती दर में कपड़े, साड़ी सहित सभी प्रकार के वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं. ग्राहकों का भी अपार प्यार उन्हें मिलने की जानकारी संचालकों ने दी. उनके मुताबिक विगत कई दशकों से ग्राहकों के अपार विश्वास और प्यार के कारण ही आज आराधना न केवल अमरावती जिले बल्कि राज्यस्तर पर लोकप्रिय प्रतिष्ठान बना है.विश्वसनीयता के साथ रियायती कीमत जैसी खूबियों ने इसे सदैव आगे रखा है.ग्राहकों की चाहत और आधुनिक फैशन का बेहतरीन समन्वय आराधना फैशन्स में दिखता है, इसी कारण ग्राहक इसे कभी नहीं छोड़ते हैं.

आदर्श युवा नेतृत्व हैं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रविराज देशमुख

जन्मदिन पर विशेष- भाजपा को ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत करने में रहा है सदैव अतुलनीय योगदान,कार्यकर्ताओ में लोकप्रिय

अमरावती के मिशन आईएएस इस उपक्रम के पीछे जो लोग तन-मन-धन से मजबूती के साथ खड़े हैं, उनमें हमारे स्नेही मित्र श्री रविराज देशमुख का स्थान अग्रणी है. भले ही वें राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं, लेकिन उनका मन अत्यंत निर्मल, संवेदनशील और परोपकारी है. वे सच्चे अर्थों में दीन-दुखियों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. हर व्यक्ति की पुकार पर सहायता के लिए आगे आने वाला उनका स्वभाव है.

पिछले कई वर्षों से श्री रविराज देशमुख मिशन आईएएस अर्थात डॉ. पंजाबराव देशमुख आईएएस अकादमी के इस प्रकल्प से जुड़े हुए हैं. हमारे अधिकांश कार्यक्रमों में वे विशेष रूप से उपस्थित रहते हैं और अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग भी करते हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सहयोग के पीछे उनका कोई व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं होता.मिशन आईएएस की ओर से प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश में स्पर्धा परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए समर कैंप आयोजित किया जाता है. इस शिविर में पूरे महाराष्ट्र से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी भाग लेते हैं. जो विद्यार्थी भविष्य में कलेक्टर या प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना देखते हैं, उनके लिए यह सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर होता है.

इस शिविर का एक दिन श्री रविराज देशमुख ने स्वयं विद्यार्थियों के लिए समर्पित किया है. माननीय विभागीय आयुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, महानगरपालिका आयुक्त तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैसे वरिष्ठ अधिकारियों से विद्यार्थियों की भेंट करवाना, उनके साथ संवाद स्थापित करवाना और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी दिलाना यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्होंने स्वीकार की है.

इन अधिकारियों से समय लेना, विद्यार्थियों को उनके कार्यालय तक ले जाना, उनका परिचय करवाना और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने का अभिनव प्रयास श्री रविराज देशमुख ने ईमानदारी से किया है और यह प्रयास सफल भी हुआ है.

जिस दिन विद्यार्थियों की इन अधिकारियों से मुलाकात होती है, उस दिन सभी विद्यार्थियों और आयोजकों के भोजन की व्यवस्था भी श्री रविराज देशमुख स्वयं करते हैं. विद्यार्थियों की संख्या कितनी भी हो, वे पंचवटी चौक स्थित वराडे मंगल कार्यालय या गाडगे नगर स्थित श्री संत गाडगे महाराज सभागृह में उनकी व्यवस्था करते हैं. इस आतिथ्य में उन्हें अत्यंत आनंद और संतोष प्राप्त होता है. एक शैक्षणिक उपक्रम के लिए वे अपना पूरा दिन विद्यार्थियों को समर्पित करते हैं, जो उनका अत्यंत अनुकरणीय कार्य है. रविराज देशमुख से मेरा परिचय उनके पिता के समय से है. मेरी बहन प्राचार्य डॉ. शोभा रोकडे जिला परिषद में अध्यापक के रूप में कार्यरत थीं. उन्हीं के माध्यम से मेरा परिचय श्री हिम्मतराव देशमुख से हुआ. उनका स्वभाव भी अत्यंत परोपकारी था. उन्होंने अपने कार्यकाल में हमें हर प्रकार से सहयोग प्रदान किया. जिला परिषद में प्रकल्प अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए श्री हिम्मतराव देशमुख का अधिकारियों और समाज में अत्यंत सम्मान था.वही परोपकारी संस्कार और

सेवा भाव श्री रविराज देशमुख में भी दिखाई देता है.वास्तव में सामान्यतः राजनीति से जुड़े व्यक्तियों का विशेष ध्यान प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय पर नहीं होता, लेकिन श्री रविराज देशमुख इसके अपवाद हैं. वे स्वयं पहल करके विद्यार्थियों को वरिष्ठ आईएएस और प्रशासनिक अधिकारियों से मिलवाने का कार्य करते हैं और उन्हें प्रेरणा तथा मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करवाते हैं.ऐसे स्पर्धा परीक्षा उपक्रम को निरंतर सहयोग देने वाले श्री रविराज देशमुख जी को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ.

प्रा. डॉ. नरेशचंद्र काठोळे
संचालक
मिशन आईएएस

ख़ोड़के दम्पति ने किया सत्कार

अचलपुर- विगत दिनों मित्रता दिवस के अवसर पर विधायक संजय खोडके एवं विधायक सुलभाताई खोडके के हाथों जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के नवनियुक्त बैंक प्रतिनिधि का शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर भावपूर्ण सत्कार किया गया.चांदूरबाजार तहसील के कोंडवर्धा सेवा सहकारी संस्था में हाल ही में श्याम मालू की निर्विरोध नियुक्ति बैंक प्रतिनिधि के रूप में हुई है. आगामी जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक चुनाव में विभिन्न सेवा सहकारी संस्थाओं द्वारा भेजे गए प्रतिनिधियों को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है. इस कारण बैंक चुनाव में प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है. अमरावती जिला मध्यवर्ती बैंक के चुनाव में इन प्रतिनिधियों का अहम महत्व रहता है.

शिक्षणमहर्षि देशमुख का पुण्यस्मरण मना

तलेगांव दशासर. कृषक सुधार मंडल द्वारा संचालित माध्यमिक कन्या विद्यालय में शिक्षणमहर्षि परमपूज्य बापूसाहेब देशमुख का पुण्यस्मरण समारोह प्रभाकरराव कावले की अध्यक्षता में हुआ. इस अवसर पर शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया.डॉ. विनोद देशमुख ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जन्मदिन और स्मृति अवसरों पर पौधारोपण करने का आग्रह किया. मौके पर छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं और अभिभावक उपस्थित रहे. संचालन तथा आभार प्रदर्शन मरसकोल्हे मैडम ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें
विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

गुरूवार 6 से 12 अगस्त 2026

इस सप्ताह आप किसी शादी पार्टी में सम्मिलित होने बाहर जा सकते है, वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. वाद-विवाद की स्थिति से खुद को दूर रखें. अपने परिचित व्यक्ति से आज आपको अपमान का सामना करना पड़ सकता है, पार्टनर का साथ मिलेगा.

वृषभ- इस सप्ताह आप नया वाहन आदि खरीद सकते है, परिवार में नया मेहमान आ सकता है. आपको कोई नए कार्य का बड़ा ऑफर आज मिल सकता है, किसी पुराने मित्र से मिलना होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे.

मिथुन- आज का दिन आपका शानदार रहेगा, मन स्थिर और प्रसन्न रहेगा. वाणी के प्रभाव से आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. आज कोई नया व्यापार आप शुरू कर सकते है, पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क- आज का दिन आपका सोच विचार कर काम करने का है. आप कोई बड़ा डिसीजन व्यापार-व्यवसाय में न लें, नई साझेदारी में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी. आप आज वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें.

सिंह-आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में अपने सहयोगी पार्टनर्स से सावधान रहें, नहीं तो आपका काम बिगड़ सकता है. कोई नया लेन-देन आज न करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कन्या-आज आपका मन अशांत रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में नुकसान उठाना पड़ सकता है. कोई बड़ा काम आपके हाथ से निकल सकता है. आज आप पारिवारिक मतभेद में उलझ सकते हैं. आप कोई बड़ा जोखिम आज व्यापार मे न उठाएं. पार्टनर के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रह सकते हैं.

तुला-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. आपनों का साथ मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे. कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं,किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

वृश्चिक-आज आप किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे, माता-पिता का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है. व्यापार-व्यवसाय में अपने पार्टनर का आज आपको सहयोग मिलेगा. कोई बड़ा काम आज आप शुरू कर सकते हैं काम में रूकावट जरूर आएगी. वाणी पर संयम रखें.

धन-आज के दिन आप वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. किसी काम का बहुत दिनों से सोच रहे हैं आज वह काम पूरा होगा. न्यायालय पक्ष के काम में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति में अपना बचाव करें.

मकर- सप्ताह में आपको कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बनेगा. आप कोई नया निवेश व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं. पार्टनर का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा.

कुंभ-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं या व्यापार में कोई बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- इस सप्ताह स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा. आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. आप परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी में पड़ सकते हैं. संतान की चिंता बनी रहेगी, व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी से मतभेद बढ़ सकते है, आज आप किसी नए काम के लिए विचार कर सकते हैं. पारिवारिक विवाद से दूर रहें.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

संसद में कब तुम आओगे

संसद में कब तुम आओगे
जन जन के अहम सवालोंका
जवाब कब दे जाओगे ?

जनता ने मसीहा समझकर
तुमको तख्त और ताज दिया
पर तुमने हुकूमशहा बनकर
दुःशासन-सा राज किया.
लोकतंत्र कि गरिमा को अब
कैसे संम्भाल पाओगे ?
संसद से भागे फिरते हो
संसद में कब तुम आओगे ?

ढूंढ रहे हैं काकरोच सारे
जेन झी भी खोज रहे हैं
तुम्हारी इस हरकत पर
जाने क्या क्या सोच रहे हैं
जवाबदेही बनती है तो
जवाबदेही कैसे निभाओगे
संसद से भागे.फिरते हो
संसद में कब तुम आओगे?

बारा साल के सत्ताकालमें
तुमने ऐसा ईतिहास रचा हैं
लोकतंत्र की धज्जीयां ऊडाई
और सारा देश बेचा है
सत्तर साल का हिसाब मांगते
अपना हिसाब कब रखोगे?
संसद से भागे फिरते हो
संसद में कब तुम आओगे?

राजनीति के चाणक्य बनकर
तुमने क्या क्या खेल खेले है
परेशान हैं जनता सारी
जाने क्या क्या दुःख झेले हैं
अच्छे दिन के सपनों का
वादा कब निभाओगे ?
संसद से भागे फिरते हो
संसद में कब तुम आओगे?

अंधभक्तों की फौज बनाई
ईडी,सीबीआय की धौस जमायी
न्याय मांगनें वालो पर
तुमने तो लाठीयां बरसायी
राम राज्य की बात करते हो
राम का किरदार कैसे निभाओगे?
संसद से भागे फिरते हो
संसद में कब तुम आओगे ?

ओमप्रकाश पाठराबे 'ओम

RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
विदर्भ स्वाभिमान
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

साफ-सफाई की समस्या को लेकर बढ़ी नाराजी

विदर्भ स्वाभिमान,5 अगस्त

अमरावती- शहर में साफ-सफाई की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. कोणार्क को करोड़ों का ठेका देने के बाद भी साफ-सफाई की हालत में सुधार नहीं हो रहा है. लोगों का स्पष्ट आरोप है कि पैसे की लालच में जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन द्वारा दोनों की मिलीभगत का खामियाजा टैक्स भरने वाले शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है. इस मामले में सैकड़ों शिकायतों के बाद भी केवल बनवा-बनवी वाली स्थिति है. क्षेत्रवासियों ने मनपा आयुक्त सहित जनप्रतिनिधियों से सफाई की स्थिति सुधारने के लिए कदमउठाने का आग्रह किया है. उनके मुताबिक दिक्कत बढ़ रही है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

भोलेश्वर मंदिर में 17 को बेलपत्र अभिषेक

कंवरनगर के शिव मंदिर में भस्म आरती,गड़गड़ेश्वर में आरती में उमड़ रहे भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,5 अगस्त

अमरावती- शहर के प्राचीन श्री भोलेश्वर हनुमान मंदिर में सावन के पावन महीने में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम हों गे. भक्तों से इसका लाभ उठाने का आग्रह किया गया है. सावन के पावन महीने में शहर ही नहीं तो जिले में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हो रहे हैं. गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर, वल्लभ नगर के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में दिलीप मकवाने, नंदकिशोर पेटकर, महेन्द्र बोपुलकर के साथ ही अन्य भक्तों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम लिया जा रहा है.

श्री भोलेश्वर हनुमान मंदिर श्रावणमास महोत्सव रुद्राभिषेक आरती, भोलेश्वर आरती मंडल, भोलेश्वर महिला भजन मंडल, आदिशमी भजन मंडल, 17 अगस्त महादेवजी 2100 बेलपत्र का अभिषेक श्रृंगार आरती रात 9 बजे. 24 अगस्त अंबकेश्वर श्रृंगार आरती, 39 अगस्त ऊऊं महाकाल श्रृंगार आरती, 7 सितंबर श्री बालाजी श्रृंगार आरती, प्रत्येक शनिवार हनुमान चालीसा पाठ, रामस्तुति, रात्रि 9 बजे महाआरती, मनो हरि श्रृंगार पवित्र श्रावण मास में आकर्षण का केंद्र बना है. भालती का सरोबर हो गया है. प्राचीन भोलेश्वर मंदिर में हर पखवाड़े भगवान भोलेश्वर का विशेष श्रृंगार किया जाता है. इस अलौकिक श्रृंगार को देखने के लिए रात्रि 9 बजे के बाद भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है. यह मंदिर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ अपनी ऐतिहासिक परंपराओं के कारण अमरावती की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है. कहा जाता है कि भोलेश्वर आरती मंडल ने रेगुलर पूजा के साथ-साथ श्रावण महीने में खास धार्मिक कार्यक्रम करने की परंपरा शुरू की है. भोलेश्वर के साथ ही कई देवी-देवताओं के मंदिर, बजरंगबली, श्रीराम बहिराम और विट्ठल रुक्मिणी, मकरध्वज की स्थापना यहां मंदिर परिसर में की गई थी.

संबंधित संजय तवर, संजय पारवे, अभिषेक दंडवे, भावेश घयार, आलोक काले, ओम देशपांडे, राजू पवार, पंजाबराव पारवे, विलास कथलकन बार अवजेकर, जयेश कवटकर, यश शिंगणे, वेदांत अवजेकर, यश पतंगाराई, राज पतंगाराई, अभिषेक गुजरे, अमित सुभाषराव शिंगणे, आशी हित, विकास गायकवाड़, रोहित वानखड़े, ऋषिकेश गढ़वे, जगदीश पतंगाराई, लोकेश पेठकर, मंथन खंडारे, चैतन्य खंडारे, रोशन बिज बागड़े, रौनक कपूर, अभय कपूर, सागर बिजवे, अमित बागड़े, वंश पचांगे, गैरव पतंगाराई, कृष्ण पारवे प्रयासरत हैं.

इसी तरह कंवरनगर स्थिति शिव मंदिर में चारों सोमवार को भस्म आरती हो रही है. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह मनीष झांबानी तथा सहयोगियों ने किया है.

श्रावण में गूंजेगा श्याम नाम, 10 को सजेगा श्याम दरबार

विदर्भ स्वाभिमान, 5 अगस्त

चांदूर रेलवे- तहसील में सावन के पावन महीने में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इसका भक्त बड़ी संख्या में लाभ ले रहे हैं. श्रावण मास के पावन अवसर पर चांदूर रेलवे श्याम परिवार की ओर से 10 अगस्त को शाम 5 बजे से कुरहा रोड स्थित रॉयल पैलेस में भव्य अष्टम श्याम झूला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. इसकी तैयारियां भी तेजी से की जा रही है.महोत्सव में भव्य श्याम दरबार, अलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, मेहंदी एवं संगीतमय भजन संध्या विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी. बाबा श्याम के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति के लिए कोलकाता के सुप्रसिद्ध गायक शुभम-रूपम, खलीलाबाद के सरदार हरमहेंद्र सिंह रोमी तथा चांदूर रेलवे के आशीष जालान एवं राधिका भूत उपस्थित रहेंगे.सुप्रसिद्ध संगीतकारों की म्यूजिक टीम की मधुर संगत में भक्त लखदातार एवं तीन बाणधारी बाबा श्याम के भजनों में भाव-विभोर होंगे. भक्ति, संगीत और श्रद्धा से सराबोर इस महोत्सव में धामनगांव, अमरावती, वर्धा,

काटोल, तिवसा, यवतमाल, नागपुर एवं कामठी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम भक्तों के पहुंचने की संभावना है.श्याम परिवार की ओर से सभी भक्तों से महोत्सव में उपस्थित होकर बाबा श्याम के दरबार में भक्ति रस का आनंद लेने का आह्वान किया गया है.

शहर के साथ ही जिले के विभिन्न तहसीलों में शिव मंदिरों में जहां भक्तों की भीड़ लगी है, वहीं श्यामबाबा के कीर्तन और भजनों का कार्यक्रम भी लगातार जारी है. कुल मिलाकर सावन का पावन महीना भक्तिभाव के साथ ही श्रद्धाभाव से ओतप्रोत होकर भक्तों को अपार खुशी दे रहा है.